सब की खबर

साप्ताहिक

जनगाथा टाइम्स

■ वर्ष: 05 ■ सोमवार 26 जनवरी से 01 फरवरी 2026 ■ पृष्ठ: 08 ■ मोबाइल: 98140-07163 ■ email:jangathatimes@gmail.com ■ www.jangathatimes.com ■ RNI O.PUNMUL/2017/75353

विचार

दोस्ती और विरोध दोनों अस्थायी होते हैं, लेकिन इज्जत हमेशा के लिए रहती है। आइए समाज में ऐसे संस्कार विकसित करें जहाँ हर कोई, परिस्थितियों से परे, एक-दूसरे के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करे।

- राज सुखदेव

न्यूज विंडो

पंजाब में ठंड का प्रकोप: पारा 0.8 डिग्री पर पहुंचा, शीत लहर व घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट; 26 से बारिश के आसार

पटियाला/न्यूज नैटवर्क

पंजाब में ठंड ने एक बार फिर तीखा असर दिखाया है। राज्य का न्यूनतम तापमान गिरकर 0.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। न्यूनतम तापमान में 7.9 डिग्री की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह सामान्य से 2.7 डिग्री नीचे चला गया। अधिकतम तापमान भी सामान्य से 3.6 डिग्री कम रहा, हालांकि इसमें 0.2 डिग्री की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है लेकिन कई जिलों में शीत लहर और बेहद घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सुबह और रात के समय दृश्यता बेहद कम रहने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार 26 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से पंजाब में तीन दिन तक 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान में और गिरावट आएगी और ठंड का असर बढ़ेगा। 29 जनवरी से एक बार फिर मौसम के शुष्क होने के आसार हैं। घने कोहरे और शीत लहर को देखते हुए वाहन चालकों को सावधानी बरतने, अनावश्यक यात्रा से बचने और गर्म कपड़ों का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

बठिंडा में सबसे कम तापमान

राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान बठिंडा में 0.8 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.8 डिग्री कम रहा। फरीदकोट में न्यूनतम तापमान 1.0 डिग्री, फिरोजपुर में 1.6 डिग्री, अमृतसर में 2.4 डिग्री, होशियारपुर में 2.5 डिग्री, पटियाला में 3.5 डिग्री, लुधियाना में 4.0 डिग्री और रूपनगर में 4.3 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान की बात करें तो फरीदकोट 17.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर बर्बरता, नरसिंदी में 23 वर्षीय चंचल को गैराज के अंदर जिंदा जलाया

ढाका /न्यूज नैटवर्क

बांग्लादेश में आम चुनावों की सरगर्मियों के बीच अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों से हिंदुओं को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आ रही हैं। ताजा और बेहद खौफनाक मामला नरसिंदी से आया है, जहां शुक्रवार की रात 23 वर्षीय चंचल भौमिक की निर्मम हत्या कर दी गई। वहीं, कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी के नेताओं द्वारा दिए जा रहे भड़काऊ बयानों ने माहौल को

और तनावपूर्ण बना दिया है।

कनाडा में पंजाब के युवक की हत्या: पुलिस जता रही गैंगवार की आशंका, हत्यारों ने जलाई अपनी कार

जालंधर/न्यूज नैटवर्क

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के बनार्बी शहर में पंजाब मूल के 28 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस को आशंका है कि यह वारदात गैंगवार से जुड़ी हो सकती है। मृतक की पहचान वैंकूवर निवासी दिलराज सिंह गिल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गिल पहले से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संपर्क में था। बनार्बी आरसीएमपी (रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस) ने बताया कि यह घटना 22 जनवरी को शाम करीब साढ़े पांच बजे कनाडा वे के 3700 ब्लॉक के पास

हुई। पुलिस को इलाके में गोलियां चलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने एक युवक को गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया। उसे बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के कुछ ही समय बाद पुलिस को बक्सटन स्ट्रीट के 5000 ब्लॉक में एक वाहन में आग लगने की सूचना मिली। जांच में सामने आया है कि यह जला हुआ वाहन हत्या की वारदात से जुड़ा हुआ है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वाहन का इस्तेमाल हमलावरों ने किस तरह किया।

17 साल के भतीजे ने अपने चाचा को उतारा मौत के घाट

मोगा/न्यूज नैटवर्क

मोगा जिले के कस्बा निहाल सिंह वाला में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पारिवारिक विवाद के चलते एक नाबालिग भतीजे ने अपने ही सगे ताया की चाकू मारकर हत्या कर दी।

इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान सोहन लाल उम्र 62 साल निवासी धानका बस्ती, वॉर्ड नंबर 03, निहाल सिंह वाला के रूप में हुई है। वह पेशे से मोची का काम करता था।

रविवार तड़के वारदात को दिया अंजाम

जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह करीब तीन बजे घरेलू कलह के चलते मृतक के नाबालिग भतीजे ने सोहन लाल पर चाकू से गर्दन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना निहाल सिंह वाला की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

भाजपा कार्यकर्ता व एडवोकेट सिकंदर कपूर पर हमला, थार सवार युवकों ने की मारपीट

अबोहर/न्यूज नैटवर्क

शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बीती रात करीब 7:30 बजे भाजपा के कार्यकर्ता एवं एडवोकेट सिकंदर कपूर के साथ मारपीट की गंभीर घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार थार गाड़ी में सवार युवकों ने सिकंदर कपूर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। घायल अवस्था में पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चोटें ज्यादा गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें फरीदकोट रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है। यह पूरी घटना फ्लाईओवर के नीचे हुई और

पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। घटना की सूचना तुरंत नगर थाना नंबर-2 को दी गई। पीड़ित सिकंदर कपूर के बयान के आधार पर पुलिस ने मोंटी सहित दो अज्ञात युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल नामजद आरोपी फरार बताए जा रहे हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह विवाद गाड़ी क्रॉस करने को लेकर हुई कहासुनी के बाद बढ़ा, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चाइनीज मांझे से कटा महिला का गला, स्कूटी पर सवार थी सरबजीत कौर, तड़प-तड़प कर हुई मौत

लुधियाना

मुल्लांपुर के रायकोट रोड पर रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में चाइनीज मांझे की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब महिला विवाह की खरीदारी के लिए बाजार जा रही थी। मृतका की पहचान सरबजीत कौर पत्नी मनदीप सिंह, निवासी अकालगढ़ के रूप में हुई है, जो मुल्लापुर दाखा के रायकोट रोड पर एक फूड प्वाइंट चलाती थीं। जानकारी के मुताबिक सरबजीत कौर उर्फ जसलीन कौर स्कूटी पर सवार होकर रायकोट रोड बाजार की ओर जा रही थी। जब वह गुरुद्वारा साहिब के पास से गुजर रही थी, तभी अचानक हवा में उड़ रहा चाइनीज मांझा उनके गले में लिपट गई। तेज धार वाली चाइना डोर से उनका गला बुरी तरह कट गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई

और स्कूटी से गिर पड़ीं। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें अपनी गाड़ी में निजी अस्पताल पहुंचाया लेकिन वहां डॉक्टर उपलब्ध न होने के कारण उन्हें लुधियाना के एक बड़े अस्पताल ले जाया गया। दुर्भाग्यवश, रास्ते में ही उनकी हालत बिगड़ गई और अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हादसे से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतका अपने पीछे दो साल का मासूम बच्चा युवराज छोड़ गई जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि चाइना डोर की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए और ऐसे खतरनाक धागे से पतंग उड़ाने वाले बच्चों व उनके अभिभावकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि चाइना डोर पहले भी कई जानें ले चुका है, इसके बावजूद इस पर प्रभावी रोक न लगना बेहद चिंताजनक है।

IAF combat-ready, defence self-reliance drove Op Sindoor: Murmu on R-Day eve

New delhi, President Droupadi Murmu on Sunday delivered a message of peace for a conflict-ridden world even as she attributed India's success in Operation Sindoor to defence self-reliance and signalled the combat readiness of the Armed Forces. n wide-ranging remarks on the eve of the 77th Republic Day, the President spoke of India's economic resilience, hailed the recent GST and labour reforms, indicated an early enactment of the women's reservation Bill and lauded the contributions of women, youth, farmers and the poor, whom Prime Minister Narendra Modi calls the four pillars of the Viksit Bharat goal.Noting the Indian tradition of praying for peace across the universe, the President mentioned the May 2025 Operation Sindoor and precision strikes against terror infrastructure in Pakistan and PoK. "Terror centres were destroyed and many terrorists met their end. Our self-reliance in the field of defence powered the historic success of Operation Sindoor," she said.Murmu recalled her visit to the Siachen Base Camp and sorties in the Sukhoi and Rafale fighter jets to underline the Air Force's combat readiness. "I witnessed the extraordinary capabilities of the Navy's indigenously built aircraft carrier INS Vikrant. I also sortied in the submarine INS Vaghsheer. Based on the strength of the Army, Air Force and Navy, people have complete trust in our defence preparedness," she said.

With India on the cusp of signing a trade deal with the EU, Murmu said swadeshi remained the guiding principle of the national economic approach.

"Despite global uncertainties, India is recording continuous economic growth," she said, adding that the country was on track to become the world's third-largest economy in the near future. She termed GST the most important post-Independence decision for economic integration and hailed next-generation GST reforms as a revolutionary move.The President also emphasised India's resolve to eradicate remnants of the colonial mindset and said, "Today's India is moving forward with new self-confidence, conscious of its glorious traditions."

Highlighting the narrowing gap between government and citizens and the emphasis on public participation, she pointed to the presence of 46 per cent women in Panchayati Raj institutions. She said the Nari Shakti Vandan Adhiniyam would take political empowerment of women to new heights and give unprecedented strength to women-led development, signalling an early enactment of the law.

Murmu also hailed the contributions of tribal communities, farmers, the poor and the youth in India's development journey and said farmers remained the backbone of society and the economy and had made India self-reliant in foodgrain. She said crores had been lifted out of poverty and initiatives like the free foodgrain scheme were ensuring they did not slip back into poverty.

"Efforts for the welfare of the poor are giving concrete shape to Mahatma Gandhi's ideal of Sarvodaya," the President said, calling youth the flag-bearers of national development and expressing confidence in their role as the drivers of Viksit Bharat by 2047.

"ਗਣਤੰਤਰ ਦਿਵਸ: ਸੰਵਿਧਾਨ, ਲੋਕਤੰਤਰ ਅਤੇ ਭਾਰਤੀ ਆਤਮਾ ਦਾ ਮਹਾਨ ਉਤਸਵ"

26 ਜਨਵਰੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਅਜਿਹਾ ਸੁਨਿਹਰਾ ਦਿਨ ਹੈ ਜੋ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰਾਜਨੀਤਿਕ, ਸਮਾਜਿਕ ਅਤੇ ਸੰਵਿਧਾਨਕ ਯਾਤਰਾ ਨੂੰ ਨਵੀਂ ਦਿਸ਼ਾ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦਿਨ 1950 ਵਿੱਚ ਭਾਰਤ ਦਾ ਸੰਵਿਧਾਨ ਲਾਗੂ ਹੋਇਆ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਇੱਕ ਸੰਪੂਰਨ ਗਣਤੰਤਰ ਰਾਜ ਬਣ ਕੇ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਨਕਸ਼ੇ 'ਤੇ ਆਪਣੀ ਅਲੱਗ ਪਛਾਣ ਸਥਾਪਤ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਸਫ਼ਲ ਹੋਇਆ। ਗਣਤੰਤਰ ਦਿਵਸ ਸਿਰਫ਼ ਇੱਕ ਤਿਉਹਾਰ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਇਹ ਭਾਰਤੀ ਲੋਕਤੰਤਰ ਦੀ ਰੂਹ ਦਾ ਪ੍ਰਤੀਕ ਹੈ।

ਭਾਰਤ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ 15 ਅਗਸਤ 1947 ਨੂੰ ਮਿਲੀ, ਪਰ ਅਸਲੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦਾ ਅਰਥ ਤਦੋਂ ਪੂਰਾ ਹੋਇਆ ਜਦੋਂ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਸੰਵਿਧਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਇਆ। ਲਗਭਗ ਦੋ ਸਾਲ, ਗਿਆਰਾਂ ਮਹੀਨੇ ਅਤੇ ਅਠਾਰਾਂ ਦਿਨਾਂ ਦੀ ਕਠਿਨ ਮਿਹਨਤ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਤਿਆਰ ਹੋਏ ਭਾਰਤੀ ਸੰਵਿਧਾਨ ਨੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਕਾਨੂੰਨੀ ਢਾਂਚਾ ਦਿੱਤਾ। ਡਾ. ਭੀਮਰਾਓ ਅੰਬੇਡਕਰ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਬਣਿਆ ਇਹ ਸੰਵਿਧਾਨ ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਿਸਤ੍ਰਿਤ ਅਤੇ ਲੋਕਤੰਤਰਿਕ ਸੰਵਿਧਾਨਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਹੈ। ਗਣਤੰਤਰ ਦਾ ਅਰਥ ਹੈ—ਲੋਕਾਂ ਦੁਆਰਾ, ਲੋਕਾਂ ਲਈ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਸਰਕਾਰ। ਇਸ ਦਿਨ ਨਾਲ ਸਾਨੂੰ ਇਹ ਯਾਦ ਦਿਵਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਸੱਤਾ ਕਿਸੇ ਰਾਜੇ ਜਾਂ ਸ਼ਾਸਕ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਆਮ ਨਾਗਰਿਕ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿੱਚ ਹੈ। ਸੰਵਿਧਾਨ ਨੇ ਹਰ ਭਾਰਤੀ ਨੂੰ ਸਮਾਨ ਅਧਿਕਾਰ ਦਿੱਤੇ—ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਕਿਸੇ ਵੀ ਧਰਮ, ਜਾਤੀ, ਭਾਸ਼ਾ ਜਾਂ ਵਰਗ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਹੋਵੇ। ਇਹੀ ਸਮਾਨਤਾ ਭਾਰਤ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਤਾਕਤ ਹੈ। ਹਰ ਸਾਲ ਗਣਤੰਤਰ ਦਿਵਸ ਮੌਕੇ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਕਰਤਵਜ਼ ਪਥ 'ਤੇ ਆਯੋਜਿਤ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪਰੇਡ ਭਾਰਤ ਦੀ ਫੌਜੀ ਸ਼ਕਤੀ, ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਵਿਭਿੰਨਤਾ ਅਤੇ ਤਕਨੀਕੀ ਉਨਤੀ ਦਾ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਤਿੰਨਾਂ ਸੈਨਾ ਦਲਾਂ ਦੀ ਸਲਾਮੀ, ਆਧੁਨਿਕ ਹਥਿਆਰਾਂ ਦੀ ਝਲਕ ਅਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਰਾਜਾਂ ਦੀਆਂ ਝਾਂਕੀਆਂ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਏਕਤਾ ਵਿੱਚ ਵਿਭਿੰਨਤਾ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਜੀਵੰਤ ਕਰ ਦਿੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਸਕੂਲਾਂ, ਕਾਲਜਾਂ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਇਸ ਦਿਨ ਝੰਡਾ ਲਹਿਰਾਉਣ ਦੀ ਰਸਮ, ਦੇਸ਼ਭਗਤੀ ਗੀਤ, ਕਵਿਤਾਵਾਂ ਅਤੇ ਨਾਟਕਾਂ ਰਾਹੀਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਿੱਚ ਦੇਸ਼ਪ੍ਰੇਮ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਜਗਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਨੌਜਵਾਨ ਪੀੜ੍ਹੀ ਲਈ ਗਣਤੰਤਰ ਦਿਵਸ ਪ੍ਰੇਰਣਾ ਦਾ ਸਰੋਤ ਹੈ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੇਵਾ ਲਈ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਦਾ ਹੈ।ਗਣਤੰਤਰ ਦਿਵਸ ਸਾਨੂੰ ਸਿਰਫ਼ ਅਧਿਕਾਰਾਂ ਦੀ ਯਾਦ ਨਹੀਂ ਦਿਵਾਉਂਦਾ, ਸਗੋਂ ਨਾਗਰਿਕ ਫ਼ਰਜ਼ਾਂ ਦੀ ਵੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਦੇਸ਼ ਦੀ ਏਕਤਾ ਅਤੇ ਅਖੰਡਤਾ ਦੀ ਰੱਖਿਆ ਕਰਨਾ, ਸੰਵਿਧਾਨ ਦਾ ਸਤਿਕਾਰ ਕਰਨਾ, ਜਨਤਕ ਸੰਪਤੀ ਦੀ ਸੰਭਾਲ ਕਰਨੀ ਅਤੇ ਸਮਾਜ ਵਿੱਚ ਭਾਈਚਾਰਕ ਸਾਂਝ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣਾ ਹਰ ਨਾਗਰਿਕ ਦੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਹੈ। ਅਸਲੀ ਦੇਸ਼ਭਗਤੀ ਸਿਰਫ਼ ਨਾਅਰੇ ਲਗਾਉਣ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਇਮਾਨਦਾਰੀ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਕਰਤੱਬ ਨਿਭਾਉਣ ਵਿੱਚ ਹੈ।

ਅੱਜ ਦੇ ਬਦਲਦੇ ਸਮੇਂ ਵਿੱਚ, ਜਦੋਂ ਸਮਾਜਿਕ, ਆਰਥਿਕ ਅਤੇ ਨੈਤਿਕ ਚੁਣੌਤੀਆਂ ਵੱਧ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਗਣਤੰਤਰ ਦਿਵਸ ਸਾਨੂੰ ਮੁੜ ਆਪਣੇ ਸੰਵਿਧਾਨਕ ਆਦਰਸ਼ਾਂ ਵੱਲ ਵਾਪਸ ਲੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਦਿਨ ਸਾਨੂੰ ਯਾਦ ਕਰਾਉਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮਜ਼ਬੂਤ ਲੋਕਤੰਤਰ ਤਦੋਂ ਹੀ ਕਾਇਮ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ ਜਦੋਂ ਨਾਗਰਿਕ ਜਾਗਰੂਕ, ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰ ਅਤੇ ਇਕਜੁੱਟ ਹੋਣ।

ਅੰਤ ਵਿੱਚ, ਗਣਤੰਤਰ ਦਿਵਸ ਸਾਡੇ ਲਈ ਆਤਮ-ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਦਿਨ ਹੈ—ਕੀ ਅਸੀਂ ਸੰਵਿਧਾਨ ਦੇ ਰਸਤੇ 'ਤੇ ਚੱਲ ਰਹੇ ਹਾਂ? ਕੀ ਅਸੀਂ ਆਪਣੇ ਫ਼ਰਜ਼ਾਂ ਨੂੰ ਨਿਭਾ ਰਹੇ ਹਾਂ? ਆਓ, ਇਸ ਗਣਤੰਤਰ ਦਿਵਸ 'ਤੇ ਇਹ ਸੰਕਲਪ ਲਈਏ ਕਿ ਅਸੀਂ ਭਾਰਤ ਦੀ ਲੋਕਤੰਤਰਿਕ ਪਰੰਪਰਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣਾਵਾਂਗੇ ਅਤੇ ਇੱਕ ਨਿਆਂਪ੍ਰਧਾਨ, ਸਮਾਨਤਾ ਭਰਿਆ ਤੇ ਵਿਕਸਿਤ ਭਾਰਤ ਬਣਾਉਣ ਵਿੱਚ ਆਪਣਾ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਵਾਂਗੇ।

ਜਸਵਿੰਦਰ ਪਾਲ ਸ਼ਰਮਾ
ਸਸ ਮਾਸਟਰ
ਸਸਸਸ ਹਾਕੂਵਾਲਾ
ਸ੍ਰੀ ਮੁਕਤਸਰ ਸਾਹਿਬ

ਸ੍ਵਾਮੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਕ ਏਵਂ ਮੁਦ੍ਰਕ, ਰਾਜੇਂਦ੍ਰ ਕੁਮਾਰ ਕੇ ਦ੍ਵਾਰਾ ਨ੍ਯੂ ਦਸ਼ਮੇਸ਼ ਪ੍ਰਿੰਟਸਰ੍ਜ 178-179, ਰੰਜੀਤ ਨਗਰ, ਜਾਲੰਧਰ, ਪੰਜਾ ਸੇ ਛਪ੍ਵਾਕਰ ਜਨਗਾਥਾ ਕਾਰ੍ਯਾਲਯ ਸ਼ੰਕਰ ਨਗਰ ਨਜਦੀਰ ਰੇਲਵੇ ਸ੍ਟੇਸ਼ਨ ਹੋਸ਼ਿਯਾਰਪੁਰ ਸੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਕਿਯਾ। ਸਮ੍ਪਾਦ੍ਕ ਰਾਜੇਂਦ੍ਰ ਕੁਮਾਰ

देर रात तक चलाते रहते हैं मोबाइल ?

ये आदत आपकी बनी-बनाई सेहत का कर देगी सत्यानाश

हमारी लाइफस्टाइल की जिन आदतों के कारण सेहत पर सबसे ज्यादा असर हो रहा है उनमें से एक है मोबाइल से चिपके रहना। क्या आप जानते हैं कि हर व्यक्ति रोजाना लगभग 3 घंटे से ज्यादा समय मोबाइल स्क्रीन पर बिताता है और इसमें सबसे बड़ा हिस्सा देर रात के स्क्रॉलिंग का होता है? सोचिए, जब नींद का समय शरीर को रिपेयर करने और दिमाग को आराम देने के लिए बनाया गया है, हम उसी समय इंस्टाग्राम रील्स, व्हाट्सऐप चैट या यूट्यूब वीडियो में उलझे रहते हैं।

यह आदत देखने में साधारण लग सकती है, लेकिन शोध बताते हैं कि देर रात फोन का इस्तेमाल नींद, आंखों, दिमाग, हार्मोन और पूरे स्वास्थ्य को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है।

जब हम रात में फोन की स्क्रीन देखते हैं तो उससे निकलने वाली ब्लू लाइट हमारे शरीर को कई प्रकार से नुकसान पहुंचाने लगती है।इसका असर मेलाटोनिन नामक हार्मोन पर भी होता है जो नींद लाने में मदद करता है। इसके चलते नींद देर से आती है, बार-बार टूटती है और सुबह उठते ही शरीर थका-थका महसूस करता है। यही नहीं, लगातार स्क्रॉलिंग करते रहने से आंखों पर दबाव बढ़ता है और मानसिक रूप से भी हम बेचैनी, तनाव और चिंता का शिकार हो जाते हैं।

स्क्रीन टाइम बढ़ने के नुकसान

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जिन लोग का सोने से पहले ज्यादा स्क्रीन टाइम अधिक होता है उनमें नींद से जुड़ी बीमारियां, मोटापा, हृदय रोग और डिप्रेशन का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यानी रात की यह आदत केवल नींद को बाधित नहीं करती, बल्कि धीरे-धीरे हमारी उम्र और सेहत दोनों घटाती है।

नींद की गुणवत्ता पर असर

जब आप रात में फोन स्क्रॉल करते हैं, तो स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट दिमाग में मेलाटोनिन हार्मोन को दबा देती है। मेलाटोनिन ही वह हार्मोन है जो हमारे शरीर को सोने का संकेत देता है।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन के अनुसार, सोने से 1-2 घंटे पहले फोन का इस्तेमाल करने से नींद आने में देरी होती है और गहरी नींद नहीं आती। लगातार ऐसा करने से अनिद्रा की समस्या बढ़ सकती है। अच्छी नींद न मिलने का सीधा असर दिनभर की ऊर्जा, मूड और कार्यक्षमता पर पड़ता है।

आंखों पर दबाव का खतरा

फोन से निकलने वाली ब्लू लाइट आंखों के लिए हानिकारक मानी जाती है। शोध बताते हैं कि लगातार देर रात तक स्क्रीन देखने से डिजिटल आई स्ट्रेन हो सकता है। इसके कारण आंखों में जलन, सूखापन, धुंधला दिखाई देना और सिरदर्द की दिक्कत बढ़ जाती है।

अगर यह आदत लंबे समय तक जारी रहे तो रेटिना की कोशिकाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिससे उम्र से पहले मैक्युलर डीजेनरेशन यानी दृष्टि कमजोर होना शुरू हो सकता है।

मोटापा बढ़ने का भी जोखिम

जब आप देर रात तक फोन का इस्तेमाल करते हैं तो सोने का समय कम हो जाता है। नींद की कमी का सीधा असर हार्मोनल बैलेंस पर पड़ता है। अध्ययनों के अनुसार, नींद की कमी से घ्रेलिन हार्मोन (भूख बढ़ाने वाला हार्मोन) बढ़ जाता है और लेप्टिन हार्मोन (पेट भरा होने का संकेत देने वाला) कम हो जाता है। इस वजह से देर रात तक फोन चलाने वाले लोग अगले दिन ज्यादा कैलोरी खाते हैं और धीरे-धीरे वजन बढ़ने लगता है। हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की एक स्टडी के मुताबिक, रात में नींद की कमी और स्क्रीन टाइम मोटापे, डायबिटीज और मेटाबॉलिक सिंड्रोम का बड़ा कारण है।

अमेरिका के फैसले से अदाणी समूह को बड़ा झटका, एक दिन में ₹1.14 लाख करोड़ डूबे

अमेरिकी बाजार नियामक यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (यूएस-एसईसी) की कार्रवाई के बाद उद्योगपति गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी समूह को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। एक ही कारोबारी दिन में समूह का कुल बाजार पूंजीकरण करीब $12.5 बिलियन (लगभग ₹1,14,813 करोड़) घट गया।

मिली जानकारी के अनुसार, यूएस-एसईसी ने गौतम अदाणी को समन जारी करने के लिए एक अमेरिकी अदालत का रुख किया है। यह मामला कथित फ्रॉड और करीब $265 मिलियन (लगभग ₹2,400 करोड़) की कथित घूसखोरी से जुड़ा बताया जा रहा है। इस घटनाक्रम के बाद निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया, जिसका सीधा असर अदाणी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों पर पड़ा।

शेयर बाजार में अदाणी समूह की कई कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट दर्ज की गई, जिससे समूह की कुल मार्केट वैल्यू में बड़ी कटौती हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही जांच और कानूनी प्रक्रिया के कारण आने वाले दिनों में निवेशकों की धारणा पर असर बना रह सकता है। हालांकि, अदाणी समूह की ओर से इस मामले पर अब तक कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। बाजार की नजर अब आगे की कानूनी कार्यवाही और कंपनी के रुख पर टिकी हुई है।

लालू यादव ने सौंपी विरासत, तेजस्वी बने RJD के कार्यकारी अध्यक्ष

पटना बिहार की राजनीति में रविवार का दिन बेहद अहम रहा। राष्ट्रीय जनता दल (फखऊ) में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए तेजस्वी प्रसाद यादव को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष चुन लिया गया है। आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। यह अहम बैठक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की अध्यक्षता में हुई। अपनी बढ़ती उम्र और लगातार स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए लालू प्रसाद ने पार्टी की कमान अपने बेटे तेजस्वी के हाथों में सौंपने का फैसला किया है।

ताजपोशी के बीच रोहिणी आचार्य के तेवर, नेतृत्व पर उठाए सवाल

तेजस्वी की ताजपोशी एक तरफ जहां समर्थकों में जोश भर रही है, वहीं परिवार और पार्टी के भीतर के सुर कुछ अलग कहानी बयां कर रहे हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से ठीक पहले लालू यादव की बेटी और तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर सियासी गलियारों में हलचल मचा दी। रोहिणी ने अपने पोस्ट के जरिए तेजस्वी यादव के नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े किए हैं, जिससे विपक्ष को बैठे-बिठाए मुद्दा मिल गया है। हालांकि, बैठक में मौजूद विधायकों का कहना था कि यह बैठक संगठन को मजबूत करने के लिए बुलाई गई थी।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 12.50 करोड़ की ड्रग्स जब्त, बैंकॉक से आए 4 यात्री गिरफ्तार; पंजाब से भी जुड़े तार

अहमदाबाद : अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को सीमा शुल्क और पुलिस अधिकारियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 12.50 करोड़ रुपए मूल्य की हाइब्रिड मारिजुआना जब्त की है। इस दौरान चार यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ होने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, यह गिरोह हवाई मार्ग का इस्तेमाल कर प्रतिबंधित नशीले पदार्थों को भारत में ला रहा था।

अधिकारियों को दक्षिण-पूर्व एशिया से भारत में नशीले पदार्थों की संभावित तस्करी को लेकर विशेष खुफिया जानकारी मिली थी। इसी इनपुट के आधार पर बैंकॉक से अहमदाबाद आने वाली एक उड़ान के यात्रियों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान चार यात्रियों के सामान में संदिग्ध वस्तुएं पाई गईं, जिसके बाद विस्तृत तलाशी ली गई। वरिष्ठ सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिबंधित हाइब्रिड मारिजुआना की बड़ी खेप बरामद की गई। यह मादक पदार्थ प्लास्टिक के पैकेटों में छिपाकर रखा गया था और इसका अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य लगभग 12.50 करोड़ रुपए आंका गया है। अधिकारियों ने बताया कि हाइब्रिड मारिजुआना सामान्य गांजे की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली और महंगा होता है तथा भारतीय कानून के तहत इस पर पूरी तरह प्रतिबंध है।

चारों आरोपियों को मौके पर ही हिरासत में लेकर बाद में औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक वडोदरा का निवासी है, जबकि अन्य तीन पंजाब से ताल्लुक रखते हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह खेप गुजरात किस उद्देश्य से लाई गई थी और इसके पीछे सक्रिय आपूर्ति श्रृंखला में कौन-कौन लोग शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरूआती जांच से संकेत मिले हैं कि इन नशीले पदार्थों को देश के प्रमुख शहरों में सप्लाई करने की योजना थी, जहां इनकी मांग लगातार बढ़ रही है। अधिकारी आरोपियों के यात्रा रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और संभावित अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की भी जांच कर रहे हैं, ताकि इस तस्करी से जुड़े बड़े नेटवर्क तक पहुंचा जा सके।

मामले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जब्त किए गए मादक पदार्थों को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि आरोपियों के अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट से संभावित संबंधों की जांच के लिए केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय शुरू किया गया है। यह बरामदगी अहमदाबाद हवाई अड्डे पर हाल के दिनों में हुई नशीली दवाओं की कई बड़ी जब्तियों की कड़ी में एक और मामला है। इसी महीने की शुरूआत में सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आए एक यात्री के सामान से करीब 8 करोड़ रुपए मूल्य की हाइड्रोपोनिक भांग बरामद की थी। इसके अलावा एक अन्य मामले में बैंकॉक से लाई गई 3.9 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की जब्ती के बाद एक आरोपी को एनडीपीएस अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी के लगातार प्रयासों को देखते हुए हवाई अड्डे पर निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान और सख्त किए जा रहे हैं, ताकि इस तरह की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने होशियारपुर में सलेरन डैम इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन

पर्यटन विकास से युवाओं को मिल रहा रोजगार: भगवंत सिंह मान

जनगाथा न्यूज/गढ़शंकर/होशियारपुर
हैप्पी कलेर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को होशियारपुर के सलेरन डैम स्थल पर इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पर्यावरण-अनुकूल हट्स का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब के पर्यटन स्थलों को विकसित कर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृतसर, पटियाला और चमरौड़ झील में फिल्मों की शूटिंग और डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा मिलने से भी स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सलेरन डैम इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को टक्कर देगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ह्यआपह्ल सरकार ने राज्य में खंडहर बन चुके 52 रेस्ट हाउसों को पुनर्जीवित किया है, जिनसे अब किराए के माध्यम से लगभग एक करोड़ रुपए मासिक आय हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने सरकारी संपत्तियां अपने चहेतों को कौड़ियों के मोल बेच दी थीं, जबकि उनकी सरकार ने कार्रवाई कर उन संपत्तियों को वापस हासिल किया है।

पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि सलेरन डैम इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट पर लगभग 2.80 करोड़ रुपए की लागत आएगी और इससे वार्षिक 18 लाख रुपए से अधिक राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट के तहत बच्चों के लिए 16 हजार

वर्ग फुट में खेल मैदान तैयार किया गया है, जिसमें विभिन्न झूले और मनोरंजन सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा पर्यटकों के ठहरने के लिए चार इको हट्स और 80 लोगों की क्षमता वाला कैफेटेरिया भी बनाया गया है। सलेरन डैम के मनोरम दृश्य देखने के लिए एक एम्फीथिएटर भी विकसित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रोजेक्ट पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और कंडी क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण ये क्षेत्र विकास से वंचित रहे, लेकिन अब इन क्षेत्रों की प्राकृतिक सुंदरता को पर्यटन से जोड़कर विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह क्षेत्र एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेगा और पंजाब को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने 75 छोड़े गए या खाली पड़े रेस्ट हाउसों को भी पुनर्जीवित किया है, जिससे नियमित राजस्व प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

शर्मनाक : बांके बिहारी मंदिर में सेवायतों से बदसलूकी, मुख्य गोस्वामी के कपड़े फाड़े गए, प्रशासनिक कार्रवाई से भक्तों में आक्रोश

वृंदावन : विश्वविख्यात श्री बांके बिहारी मंदिर में रविवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दर्शन कार्यक्रम से पहले प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मंदिर के सेवायत गोस्वामियों के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया। आरोप है कि अधिकारियों ने मुख्य सेवायत अनंत (जौनी) गोस्वामी के साथ धक्का-मुक्की की और विरोध करने पर उनके कपड़े तक फाड़ दिए।

प्रत्यक्षदर्शियों और सेवायत समाज के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारी अचानक मंदिर परिसर में पहुंचे और सुरक्षा का हवाला देते हुए सेवायत गोस्वामियों को जबरन बाहर निकालने लगे। जब गोस्वामियों ने इसका विरोध किया तो स्थिति बिगड़ गई। आरोप है कि कई सेवायतों को एक कमरे में बंद करने की कोशिश भी की गई, जबकि महिलाओं और परिजनों के साथ भी कठोर व्यवहार हुआ।

सेवायत रजत गोस्वामी ने बताया कि सभी गोस्वामी प्रतिदिन की तरह मंदिर सेवा के लिए उपस्थित थे और मुख्यमंत्री से सामान्य शिष्टाचार के तहत मिलना चाहते थे। न तो कोई ज्ञापन

सौंपने की योजना थी और न ही किसी प्रकार के विरोध का कार्यक्रम। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह अत्यंत अपमानजनक और पीड़ादायक है।

कॉरिडोर विवाद से जुड़ा मामला?

सेवायत समाज का मानना है कि यह घटना बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर परियोजना से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। गोस्वामी समाज लंबे समय से इस प्रस्तावित कॉरिडोर का विरोध करता आ रहा है। उनका कहना है कि यह परियोजना मंदिर की सदियों पुरानी निज सेवा परंपरा, सेवायत अधिकारों और भगवान बांके बिहारी

जी की गोपनीय एवं सहज भक्ति प्रणाली को नुकसान पहुंचाएगी।सेवायतों का आरोप है कि प्रशासन लगातार दबाव बनाकर इस योजना को बिना सहमति लागू करना चाहता है और रविवार की घटना उसी दबाव की एक कड़ी है।

देश-विदेश के भक्तों में गुस्सा

इस कथित बदसलूकी की खबर ने न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर के कृष्ण भक्तों को झकझोर कर रख दिया है। सोशल मीडिया, अंतरराष्ट्रीय भक्त समूहों और मंदिर समर्थक संगठनों में इसे ह्लआस्था पर प्रशासनिक हमलाह्व बताया जा रहा है। न्यूयॉर्क में रहने वाले एक कृष्ण भक्त ने भावुक संदेश में कहा, ह्लहम हजारों मील दूर रहकर भी बांके बिहारी जी को अपने हृदय में बसाए हुए हैं। अगर वृंदावन में सेवायत सुरक्षित नहीं हैं, तो हमारी भक्ति भी असहाय हो जाती है।

यूरोप और ब्रिटेन के कई भक्त संगठनों ने सवाल उठाया है कि क्या विकास के नाम पर मंदिर की आत्मा, परंपरा और गोस्वामी अधिकारों को कुचला जा रहा है। उनका कहना है कि विकास आवश्यक है, लेकिन वह आस्था और परंपरा को रौंदकर नहीं होना चाहिए।ब्रिटेन स्थित एक भक्त समूह ने बयान में कहा, ह्लजब गोस्वामी रोते हैं, तो वृंदावन की गलियां रोती हैं और जब वृंदावन रोता है, तो दुनिया का हर कृष्ण भक्त आहत होता है।

बड़ा सवाल

इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था भारत की आध्यात्मिक विरासत की संवेदनशीलता को समझ पा रही है या नहीं। भक्तों और सेवायत समाज ने एक स्वर में मांग की है कि बांके बिहारी मंदिर में संवाद, सम्मान और परंपरा को प्राथमिकता दी जाए न कि बल, भय और नियंत्रण को।

बरसापारा में बरसे अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव, भारत ने वनडे सीरीज में हार का बदला लिया

भारतीय गेंदबाजों ने गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में रविवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में अनुशासित और आक्रामक प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को पूरी तरह जकड़ लिया। करीब एक साल बाद टीम में लौटे रवि बिश्नोई की शानदार वापसी और जसप्रीत बुमराह व हार्दिक पांड्या की सधी हुई गेंदबाजी के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड को 20 ओवरों में 9 विकेट पर सिर्फ 153 रन पर रोक दिया।

इसके बाद सर्यकमार यादव (57) और अभिषेक शर्मा (68) के अर्धशतक की बदौलत भारतीय टीम ने 10 ओवर में 2 विकेट खोकर ही इस टारगेट को चेज कर लिया और 8 विकेट से मुकाबले पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की। टी20 इंटरनेशनल यह भारत की लगातार 9वीं सीरीज जीत है। इस जीत के साथ ही भारत ने न्यूजीलैंड से वनडे सीरीज में मिली हार का बदला भी ले लिया है।

संजू सैमसन गोल्डन डक पर आउट

154 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम की खराब शुरुआत हुई। फॉर्म की तलाश कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मैट हेनरी ने पहली ही गेंद पर बोल्ड किया। हालांकि, 3 नंबर पर आए ईशान किशन ने पिछले मैच की फॉर्म को ही जारी रखा। उन्होंने आते ही ताबड़तोड़ बाउंड्री लगाना शुरू किया और भारतीय टीम पर प्रेशर नहीं आने दिया। उन्हें देकर पिछले मैच में फेल हुए अभिषेक शर्मा ने भी हवाई फायर शुरू कर दिए।

ईशान ने बनाए 28 रन

ईशान और अभिषेक ने दूसरे विकेट के लिए 19 गेंदों पर 53 रन जोड़े। ईशान की पारी पर ईशा सोढ़ी ने ब्रेक लगाया। चौथे ओवर की दूसरी गेंद पर ईशान की पारी ने मार्क चैपमैन की गोद में दम तोड़ा। ईशान ने 215.38 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 13 गेंदों पर 28 रन जड़ दिए। अपनी इस पारी में भारतीय बैटर ने 3 चौके और 2 छक्के लगाए।

14 गेंदों पर अभिषेक का अर्धशतक

ईशान के जाने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव मैदान पर आए। उन्होंने भी पिछले मैच में मिली लय को बरकरार रखा। भारतीय टीम ने पावरप्ले में 2 विकेट खोकर 94 रन बनाए। इस दौरान अभिषेक शर्मा ने 14 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। वह टी20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। उनके पहले युवराज सिंह ने इस प्रारूप में 12 गेंदों पर फिफ्टी लगाई थी।

फिफ्टी लगाने के बाद अभिषेक और खतरनाक हो गए। उनके सामने कीवी गेंदबाज बेबस नजर आए। धीरे-धीरे सूर्यकुमार यादव भी अपने खाते में कुछ रन जोड़ते रहे। इस बीच उन्होंने कुछ अच्छे शॉट भी लगाए और 25 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। अभिषेक शर्मा ने 340 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 20 गेंदों पर 68* रन जड़ दिए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाए। सूर्यकुमार यादव 26 गेंदों पर 57 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय कप्तान ने जीता टॉस

इससे पहले टॉस जीतकर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और भारतीय गेंदबाजों ने इस निर्णय को पूरी तरह सही साबित किया। पावरप्ले के भीतर ही न्यूजीलैंड की टीम दबाव में आ गई, जब भारत ने शुरुआती छह ओवरों में तीन विकेट झटक कर मेहमान टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। हार्दिक ने पहले ही ओवर में बेहतरीन फील्डिंग का नमूना पेश करते हुए पीछे की ओर दौड़ते हुए शानदार कैच लपककर डेवोन कान्वे को सिर्फ एक रन पर पवेलियन भेजा। इस विकेट ने न्यूजीलैंड की शुरुआत को झटका दिया। हार्दिक ने इसके बाद अपने अगले ओवर में रचिन रवींद्र को भी सस्ते में आउट कर दिया। शॉर्ट गेंद पर रचिन का शाट पूरी तरह टाइम नहीं हो पाया और डीप स्क्वेयर लेग पर तैनात रवि बिश्नोई ने आसान कैच पकड़ लिया।

बुमराह आते ही असरदार हुए

दूसरे छोर से जसप्रीत बुमराह ने भी आते ही अपना असर दिखाया। रायपुर में खेले गए पिछले मुकाबले में आराम के बाद लौटे बुमराह ने अपनी पहली ही स्पेल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को बांध कर रखा। उन्होंने टिम साइफर्ट को अंदर आती फुल गेंद पर क्लीन बोल्ड कर दिया। बुमराह की सटीक लाइन और लेंथ के सामने कीवी बल्लेबाज सहज नजर नहीं आए और वह रन गति बढ़ाने में नाकाम रहे। मध्य ओवरों में रवि बिश्नोई ने मैच पर भारत की पकड़ और मजबूत कर दी। वरुण चक्रवर्ती की जगह टीम में शामिल किए गए बिश्नोई ने मौके का भरपूर फायदा उठाते हुए बीच के ओवरों में लगातार दबाव बनाए रखा। उन्होंने गेंद को दोनों तरफ घुमाया और बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया। बिश्नोई की गेंदबाजी में विविधता और नियंत्रण साफ दिखाई दिया।

फिलिप्स ने बनाए 48 रन

ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड की ओर से सबसे खतरनाक बल्लेबाज के रूप में उभरे और उन्होंने अर्धशतक की ओर कदम बढ़ाए, लेकिन बिश्नोई ने उन्हें 48 रन पर आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। इस विकेट ने न्यूजीलैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया।

मार्क चैपमैन ने जरूर 23 गेंदों में 32 रन की तेज पारी खेलते हुए कुछ देर के लिए पारी को संभालने की कोशिश की। उन्होंने फिलिप्स के साथ 52 रन की अहम साझेदारी कर स्कोर को सम्मानजनक स्थिति तक पहुंचाया। हालांकि यह साझेदारी भी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। बिश्नोई की सटीक गेंद पर चैपमैन विकेट के पीछे संजू सैमसन को कैच दे बैठे।

कुलदीप को नहीं मिली सफलता

दूसरे छोर से कुलदीप यादव का दिन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। पहले ओवर में सिर्फ तीन रन देने के बाद उन्होंने दूसरे ओवर में जरूरत से ज्यादा प्रयोग किया और 19 रन लुटा बैठे। इस दौरान चैपमैन और फिलिप्स ने आक्रामक शॉट खेले, जिससे न्यूजीलैंड को थोड़ी राहत मिली। हालांकि यह राहत ज्यादा देर कायम नहीं रह सकी। आखिरी ओवरों में एक बार फिर बुमराह और हार्दिक ने कमान संभाली।

राजनीति की भेंट चढ़ा उपमहाद्वीप का क्रिकेट, टी-20 विश्व कप से बाहर होने पर बांग्लादेश को होगा बड़ा नुकसान

बांग्लादेश के टी-20 विश्व कप से बाहर होने के कारण भारतीय उपमहाद्वीप में क्रिकेट एक बार फिर भू-राजनीति का शिकार हो गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और बांग्लादेशी खिलाड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट में भाग लेना चाहते थे, लेकिन सरकार से मंजूरी न मिलने के कारण उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने हटने की धमकी दी, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टीम की घोषणा कर यह स्पष्ट कर दिया कि वह टूर्नामेंट में भाग लेगा।

पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि पाकिस्तान कीचड़ भरे पानी में मछली पकड़ने की कोशिश कर रहा था और दो बनाम एक (पाकिस्तान और बांग्लादेश बनाम भारत) का खेल खेलने की कोशिश कर रहा था।

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान पहले से ही श्रीलंका में खेल रहा था, इसलिए इस मामले में दखल देने की कोई आवश्यकता नहीं थी। अंततः नुकसान बांग्लादेश क्रिकेट टीम और उसके खिलाड़ियों का ही हुआ है। विश्व कप में भाग न ले पाने वाले खिलाड़ियों का नुकसान बहुत बड़ा है।

बांग्लादेश को पहले तटस्थ माना जाता था, लेकिन अब यह स्थिति बदल गई है। यह दर्शाता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में क्रिकेट अब कूटनीतिक समीकरणों से कितनी गहराई से जुड़ा हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के ढाका से पलायन के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाओं में वृद्धि हुई है और कई बांग्लादेशी हिंदुओं की हत्याएं भी हुई हैं। क्रिकेट के लिए तनाव के संकेत तब सामने आए जब बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं के विरोध में मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर कर दिया गया।

बीसीबी ने इसे अपनी प्रतिष्ठा की लड़ाई बना दिया और रहमान को लीग से बाहर करने के कारण को समझ नहीं पाया। उसने भारत में सुरक्षा का हवाला देकर विश्व कप के अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने की मांग की, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया। हरभजन ने कहा कि यह बीसीबी के लिए अहं का मामला बन गया, जिसने समाधान खोजने के बजाय आक्रामक रणनीति अपनाई।

हरभजन ने यह भी कहा कि बांग्लादेश की टीम के पास भारतीय पिचों पर अच्छा प्रदर्शन करने का बेहतर मौका था। यदि टी-20 विश्व कप इंग्लैंड या आस्ट्रेलिया में होता, तो उनकी जीत की संभावना कम होती। लेकिन यहां वे दूसरे दौर तक पहुंच सकते थे। इसलिए इस स्थिति में नुकसान केवल बांग्लादेश का है।

भारत और पाकिस्तान अभी आईसीसी के किसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने पर एक-दूसरे के देश में खेलने के बजाय तटस्थ स्थान पर खेलते हैं। यह व्यवस्था इसलिए है क्योंकि दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को राजनीति ने प्रभावित किया है।

हालांकि इसमें खामियां हैं, फिर भी यह प्रतिस्पर्धा की निष्पक्षता को बनाए रखती है। इसके विपरीत, बांग्लादेश के मामले में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे उसे विश्व कप से बाहर होने का बड़ा नुकसान हुआ है। इसके परिणामस्वरूप उसके खिलाड़ियों को खेलने का मौका गंवाना पड़ा है और राजस्व का भी नुकसान हुआ है, जो उनकी लोकप्रियता पर असर डालेगा।

26 जनवरी को ही क्यों मनाया जाता है गणतंत्र दिवस

भारत के आजाद होने के बाद संविधान सभा का गठन हुआ। संविधान सभा ने अपना काम 9 दिसंबर 1946 से शुरू किया। दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान 2 साल, 11 माह, 18 दिन में तैयार हुआ।

प्रत्येक भारतवासियों के लिए 26 जनवरी महत्वपूर्ण दिन है। हर वर्ष बड़े उत्साह के साथ इस दिन को सेलिब्रेट करते हैं। इसे गणतंत्र दिवस के तौर मनाया जाता है। यह भारत का एक राष्ट्रीय पर्व है। यह दिन इस लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश आजाद होने के बाद इसी दिन भारत पूर्ण गणतंत्रिक देश बना। यानी देशवासियों के लिए एक संविधान लागू हुआ जिससे भारत में कानून का राज कायम हुआ, जनता को मौलिक अधिकार प्राप्त हुआ। इसलिए यह दिन हर देशवासियों के लिए खास है। इस दिन राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और 21 तोपों की सलामी दी जाती है। सामूहिक रूप में खड़े होकर राष्ट्रगान गाया जाता है।

इसलिए है खास 26 जनवरी

वर्ष 1929 के दिसंबर महीने में लाहौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। इसकी अध्यक्षता पंडित जवाहरलाल नेहरू कर रहे थे। इस अधिवेशन में प्रस्ताव पास हुआ कि अगर अंग्रेजी हुकूमत 26 जनवरी 1930 तक भारत को डोमिनियन का पद नहीं देता है तो भारत खुद को पूरी तरह से स्वतंत्र घोषित कर देगा। इसके बावजूद 26 जनवरी 1930 तक जब अंग्रेज सरकार ने कुछ नहीं दिया तब कांग्रेस ने उस दिन भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के निश्चय की घोषणा की और अपना सक्रिय आंदोलन शुरू किया। इस दिन जवाहर लाल नेहरु ने लाहौर में रवि नदी के किनारे तिरंगा फहराया। इसके बाद भारत ने 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया। उस

दिन से 1947 में देश के आजाद होने तक 26 जनवरी स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा। इसके बाद देश आजाद हुआ और 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस के रूप में स्वीकार किया गया। हमारा संविधान 26 नवंबर 1949 तक तैयार हो गया था। तब जो नेता थे उन्होंने दो महीने और रुकने का निर्णय लिया। और फिर 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ और इस दिन को तब से गणतंत्र दिवस के रुप में मनाया जाता है।

26 नवंबर संविधान दिवस

भारत के आजाद होने के बाद संविधान सभा का गठन हुआ। संविधान सभा ने अपना काम 9 दिसंबर 1946 से शुरू किया। दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान 2 साल, 11 माह, 18 दिन में तैयार हुआ। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान सौंपा गया, इसलिए 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में प्रति वर्ष मनाया जाता है। संविधान सभा ने संविधान निर्माण के समय कुल 114 दिन बैठक की। इसकी बैठकों में प्रेस और जनता को भाग लेने की आजादी थी। अनेक सुधारों और बदलावों के बाद सभा के 308 सदस्यों ने 24 जनवरी 1950 को संविधान की दो हस्तलिखित कॉपियों पर हस्ताक्षर किए। इसके दो दिन बाद संविधान 26 जनवरी को यह देश भर में लागू हो गया। 26 जनवरी का महत्व बनाए रखने के लिए इसी दिन संविधान निर्मात्री सभा (कांस्टीट्यूएंट असेंबली) द्वारा स्वीकृत संविधान में भारत के गणतंत्र स्वरूप को मान्यता प्रदान की गई।

डॉ. भीमराव अंबेडकर थे प्रारूप समिति के अध्यक्ष

संविधान सभा के सदस्य भारत के राज्यों की सभाओं के निर्वाचित सदस्यों के द्वारा चुने गए थे। डॉ. भीमराव आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद इस सभा के प्रमुख सदस्य थे। संविधान निर्माण में कुल 22 समितियां थीं जिसमें प्रारूप समिति (ड्राटिंग कमेटी) सबसे प्रमुख और महत्त्वपूर्ण समिति थी और इस समिति का कार्य संपूर्ण संविधान लिखना या निर्माण करना था। प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे। अंबेडकर को संविधान का पिता भी कहते हैं।

संसद भवन के पुस्तकालय में है संविधान की हाथ से लिखी मूल प्रतियां : भारतीय संविधान की दो प्रतियां जो हिंदी और अंग्रेजी में हाथ से लिखी गई। भारतीय संविधान की हाथ से लिखी मूल प्रतियां संसद भवन के पुस्तकालय में सुरक्षित रखी हुई हैं। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ.राजेंद्र प्रसाद ने गवर्नमैंट हाऊस में 26 जनवरी 1950 को शपथ ली थी। गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। 29 जनवरी को विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है जिसमें भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना के बैंड हिस्सा लेते हैं। गणतंत्र दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री अमर ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने देश के आजादी में बलिदान दिया।

पद्म पुरस्कार 2026: गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 45 'गुमनाम नायकों' को मिलेगा पद्मश्री

गणतंत्र दिवस के जश्न से ठीक एक दिन पहले केंद्र सरकार ने देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों में से एक ह्यपद्म पुरस्कार 2026ह्ल का ऐलान कर दिया है। मोदी सरकार ने अपनी परंपरा को कायम रखते हुए इस बार भी उन ह्यगुमनाम नायकोंह्ल (वल्ल24ल्लॅ ल्ली1ङ्मी2) को तरजीह दी है, जिन्होंने खामोशी से समाज की तस्वीर बदलने का काम किया है। सूत्रों के मुताबिक, करीब 45 ऐसे लोगों को ह्यअनसंग हीरोजह्ल कैटेगरी में पद्मश्री से नवाजा जाएगा, जो अब तक सुर्खियों से कोसों दूर थे, लेकिन उनका काम बोलता है।

इन दिग्गजों के नाम पर लगी मुहर

गृह मंत्रालय की ओर से जारी घोषणा के अनुसार, देश के कोने-कोने से छुपी हुई प्रतिभाओं को खोजकर सम्मानित किया गया है। इसमें अंके गौड़ा, आर्मिडा फर्नांडिस, भगवानदास रायकर और आदिवासी कल्याण के लिए काम करने वाले भिकल्या लाडक्या ढिंडा जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा बृज लाल भट्ट, बुधरी ताठी, चरण हेम्ब्रम, चिरंजी लाल यादव और धार्मिकलाल चुन्नीलाल पंड्या को भी उनके विशिष्ट योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित करने का ऐलान किया गया है। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से सेवा की है।

चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में इनका रहा दबदबा

स्वास्थ्य और विज्ञान के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर काम करने वाले विशेषज्ञों को भी इस सूची में विशेष स्थान मिला है। इनमें डॉ. कुमारसामी थंगराज, जम्मू-कश्मीर से डॉ. पद्म गुरमेत, तमिलनाडु के डॉ. पुन्नियामूर्ति नटेसन और उत्तर प्रदेश के डॉ. श्याम सुंदर शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान के गफरुद्दीन मेवारती, हैली वार, इंदरजीत सिंह सिद्धू, के पजानिवेल, मध्य प्रदेश के कैलाश चंद्र पंत और हरियाणा के खेम राज सुंदरियाल को भी पद्मश्री पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

कला, पर्यावरण और समाज सेवा के साधकों को पहचान

सरकार ने पर्यावरण संरक्षण, कला और समाज सेवा में जीवन खपा देने वाले साधकों का भी सम्मान किया है। कोल्लक्कयिल देवकी अम्मा, महेंद्र कुमार मिश्रा, मीर हाजीभाई

कसमभाई, मोहन नागर, नरेश चंद्र देव वर्मा और निलेश मंडलेवाला जैसे नाम इस फेहरिस्त में शामिल हैं। वहीं, नूरुद्दीन अहमद, ओथुवर थिरुथानी, पोकिला लेखथेपी, आर कृष्णन और आरएस गोडबोले को भी पद्मश्री मिलेगा। इसके अलावा रघुपत सिंह, रघुवीर खेडकर, राजस्थानपति कलियप्पा गौंडर, रामा रेड्डी मामिडी, एसजी सुशीलम्मा, सांग्युसांग एस पोंगेनर, शफी शौक, श्रीरंग देवाबा लाड, सिमांचल पात्रो और सुरेश हनागावडी केएआर को भी सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है।

यहां देखें पूरी लिस्ट

अर्मिडा फर्नांडिस
भगवंदास रायकवार
भिकल्या लाडक्या धिंडा
बृज लाल भट्ट
बुधरी ताती
चरण हेम्ब्रम
चिरंजी लाल यादव
धर्मिक लाल चुनीलाल पांड्या
गफरुद्दीन मेवाती जोगी
हल्ली वार
इंदरजीत सिंह सिद्धू
के. पजनिवेल
कैलाश चंद्र पंत
खेम राज सुंद्रियाल
कोल्लक्कायिल देवकी अम्मा जी
कुमारस्वामी थंगराज
महेंद्र कुमार मिश्रा
मीर हाजीभाई कासमभाई
मोहन नागर
नरेश चंद्र देव वर्मा
नीलेश विनोदचंद्र मंडलेवाला
नूरुद्दीन अहमद
ओथुवर तिरुथनी स्वामीनाथन
पद्मा गुरमेत
पोखिला लेक्थेपी
पुन्नियामूर्ति नटेसन
आर. कृष्णन
रघुपत सिंह
रघुवीर तुकाराम खेड़कर
राजस्थापति कलियप्पा गौंडर
रामा रेड्डी मामिडि
रामचंद्र गोदबोले और सुनीता गोदबोले
एस. जी. सुशीला मां
संगयूसांग एस. पोंगेनेर
शफी शौक
श्रीरंग देवबा लाड
श्याम सुंदर
सिमांचल पात्रो
सुरेश हनगावादी
टगा राम भील
टेची गुबिन
तिरुवरूर बख्तवत्सलम
विश्व बंधु
म्नम जत्रा सिंह

साधारण भारतीयों के असाधारण काम को सलाम

इस वर्ष के पद्म पुरस्कार पूरी तरह से उन साधारण भारतीयों को समर्पित हैं जिन्होंने असाधारण काम किया है। इन विजेताओं ने व्यक्तिगत संघर्षों और कठिनाइयों के बावजूद समाज सेवा को ही अपना जीवन लक्ष्य बनाया। इनमें से कई विजेता पिछड़े वर्गों, दलित समुदायों, आदिम जनजातियों और दुर्गम क्षेत्रों से आते हैं। यह सम्मान उन डॉक्टरों के लिए है जिन्होंने हीमोफीलिया जैसी चुनौतियों पर काम किया या भारत का पहला ह्यह्यूमन मिल्क बैंकह्ल स्थापित किया। यह सम्मान उन लोगों के लिए है जो सीमावर्ती राज्यों में राष्ट्रीय एकता को मजबूत कर रहे हैं, जो विलुप्त होती भाषाओं और पारंपरिक मार्शल आर्ट को बचा रहे हैं। ये सभी विजेता उस भारत का प्रतीक हैं, जो बिना किसी शोर-शराबे के चुपचाप राष्ट्र निर्माण में जुटा हुआ है।

पद्म पुरस्कार 2026: धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण, रोहित शर्मा और हरमनप्रीत को पद्मश्री; 131 हस्तियों का होगा सम्मान

नई दिल्ली : गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार ने देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान ह्यपद्म पुरस्कार 2026ह्ल की घोषणा कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय (टल्लअ) द्वारा रविवार को जारी आधिकारिक सूची में कला, खेल, साहित्य और समाज सेवा के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ने वाली 131 हस्तियों के नाम शामिल हैं। राष्ट्रपति ने इन पुरस्कारों को अपनी मंजूरी दे दी है। इस बार की सूची में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र से लेकर क्रिकेट जगत के ह्यहिटमैनह्ल रोहित शर्मा तक के नाम शामिल हैं।

5 को पद्म विभूषण, 13 को भूषण; मरणोपरांत सम्मान की झड़ी

आंकड़ों पर नजर डालें तो इस वर्ष 5 हस्तियों को ह्यपद्म विभूषणह्ल, 13 को ह्यपद्म भूषणह्ल और 113 को ह्यपद्म श्रीह्ल से सम्मानित किया जाएगा। खास बात यह है कि इस सूची में 19 महिलाएं और 6 विदेशी/एनआरआई नागरिक शामिल हैं। वहीं, 16 विभूतियों को मरणोपरांत यह सम्मान दिया जा रहा है। दो मामलों में पुरस्कार को संयुक्त रूप से एक गिना गया है।

धर्मेंद्र और अच्युतानंदन को सर्वोच्च सम्मान

देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान ह्यपद्म विभूषणह्ल के लिए बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी. एस. अच्युतानंदन को (मरणोपरांत) चुना गया है। इसके अलावा, शास्त्रीय संगीत की दुनिया से प्रसिद्ध वायलिन वादक एन. राजम और कानून के क्षेत्र से वरिष्ठ न्यायविद के. टी. थॉमस भी पद्म विभूषण से सम्मानित होंगे।

अलका याज्ञनिक और ममूटी को पद्म भूषण

ह्यपद्म भूषणह्ल पाने वालों की सूची में कला और उद्योग जगत का संगम

देखने को मिला है। इसमें शामिल प्रमुख नाम हैं:

कलाः प्रसिद्ध पार्श्व गायिका अलका याज्ञनिक और अभिनेता ममूटी।

उद्योगः कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय कोटक।

खेलः पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज।

अन्यः विज्ञापन जगत के दिग्गज पीयूष पांडे (मरणोपरांत)।

रोहित-हरमनप्रीत को पद्मश्री, सतीश शाह को भी सम्मान

पद्म श्री विजेताओं की सूची में खेल जगत और ह्यअनसंग हीरोजह्ल का दबदबा है। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और हॉकी स्टार सविता पुनिया को पद्म श्री से नवाजा जाएगा। वहीं, मनोरंजन जगत से लोकप्रिय अभिनेता सतीश शाह को मरणोपरांत पद्म श्री दिया जाएगा। सरकार ने इस बार भी जमीनी स्तर पर काम करने वाले कई गुमनाम नायकों (वल्ल24ल्लॅ ल्ली1ङ्मी2) को सूची में शामिल किया है, जिन्होंने समाज सेवा, चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से काम किया है।

अमेरिकी हमले के खौफ से बंकर में छिपे अयातुल्ला खामेनेई, सबसे छोटे बेटे को सौंप दी ईरान की कमान

तेहरान (उत्तम हिन्दू न्यूज): ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को लेकर एक बेहद संवेदनशील रिपोर्ट सामने आई है। अमेरिकी हवाई हमले की आशंका के चलते 86 वर्षीय खामेनेई तेहरान स्थित एक अभेद्य अंडरग्राउंड बंकर में चले गए हैं। ईरानी सेना के शीर्ष अधिकारियों ने खुफिया इनपुट के आधार पर उन्हें आगाह किया था कि अमेरिका कभी भी एयरस्ट्राइक कर सकता है। बताया जा रहा है कि यह बंकर कई गुप्त सुरंगों से जुड़ा हुआ है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में उन्हें सुरक्षित निकाला जा सके।

बेटे मसूद खामेनेई के हाथ में अस्थायी कमान

सुप्रीम लीडर के अंडरग्राउंड होने के साथ ही देश की सत्ता के ढांचे में भी बड़ा बदलाव किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, खामेनेई ने देश के रोजमर्रा के प्रशासनिक कामकाज की जिम्मेदारी अपने सबसे छोटे बेटे, 53 वर्षीय मसूद खामेनेई को सौंप दी है। मसूद फिलहाल सरकार के कार्यकारी अंगों और सत्ता के अन्य हिस्सों के बीच मुख्य संपर्क सूत्र की भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें अस्थायी तौर पर अहम फैसलों की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि ईरान किसी भी बुरी स्थिति के लिए तैयार हो रहा है।

ट्रंप ने भेजा जंगी बेड़ा, हालात तनावपूर्ण

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक आदेश ने खाड़ी क्षेत्र में हलचल बढ़ा दी है। ट्रंप ने हाल ही में मिडिल ईस्ट की ओर अमेरिकी नौसेना की एक बड़ी फ्लीट तैनात करने का ऐलान किया था। इसी कड़ी में ह्यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुपह्ल, जिसमें तीन खतरनाक युद्धपोत शामिल हैं, हिंद महासागर से निकलकर फारस की खाड़ी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ट्रंप ने इसे ईरान के लिए एक सख्त चेतावनी बताया है।

ईरान की दो टूक- हमला हुआ तो होगा 'जिहाद'

अमेरिकी दबाव और जंगी बेड़े की तैनाती के बावजूद ईरान ने झुकने से साफ इनकार कर दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका या इजराइल ने उनके सुप्रीम लीडर पर हमला करने की हिमाकत की, तो इसे ईरान के खिलाफ सीधे तौर पर जंग का ऐलान माना जाएगा। वहीं, ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने और भी सख्त तेवर दिखाते हुए कहा है कि खामेनेई पर हमला होने की स्थिति में तुरंत ह्यजिहादह्ल का ऐलान कर दिया जाएगा।

एक हफ्ते से दुनिया की नजरों से ओझल

आमतौर पर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहने वाले अयातुल्ला खामेनेई 17 जनवरी के बाद से किसी भी मंच पर दिखाई नहीं दिए हैं। उन्होंने ह्यएक्सह्ल (पूर्व में ट्विटर) पर भी कोई पोस्ट नहीं किया है।